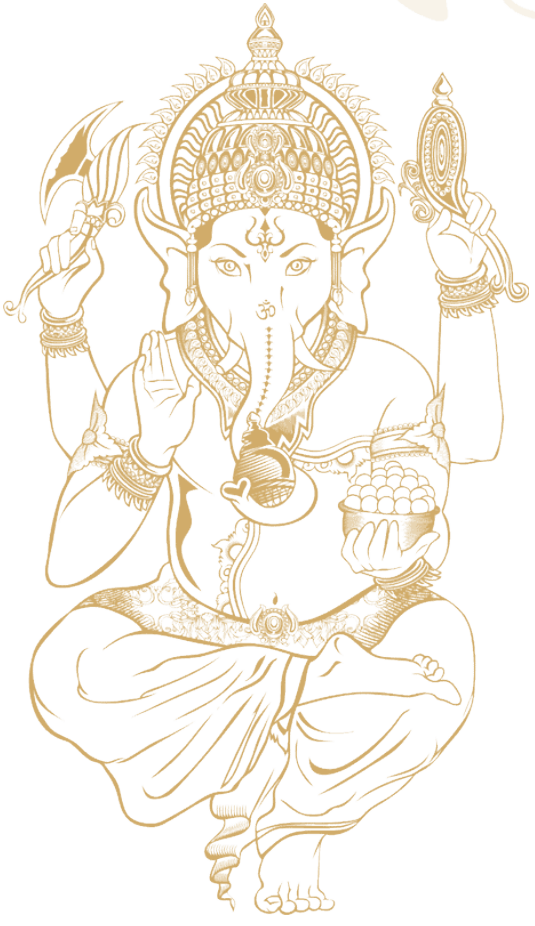

Suryansh

08 Apr 2013

02:27 PM

Gwalior

Model: web-freekundliweb

Order No: 121430402

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/04/2013**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**14:27:00 घंटे**
इष्ट	21:03:40 घटी
स्थान	**Gwalior**
राज्य	Madhya Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:12:00 उत्तर
रेखांश	78:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:17:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	14:09:36 घंटे
वेलान्तर	-00:01:51 घंटे
साम्पातिक काल	03:16:44 घंटे
सूर्योदय	06:01:31 घंटे
सूर्यास्त	18:37:26 घंटे
दिनमान	12:35:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	24:38:27 मीन
लग्न के अंश	29:39:50 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	29:39:50	315:29:41	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	---
सूर्य			मीन	24:38:27	00:58:59	रेवती	3	27	गुरु	बुध	राहु	मित्र राशि
चंद्र			मीन	00:26:26	13:10:04	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	मीन	26:48:12	00:45:36	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	मित्र राशि
बुध			कुंभ	28:03:52	01:17:05	पू०भाद्रपद	3	25	शनि	गुरु	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृष	19:04:02	00:10:40	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मीन	27:21:46	01:14:23	रेवती	4	27	गुरु	बुध	गुरु	उच्च राशि
शनि	व		तुला	15:37:57	00:04:05	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	उच्च राशि
राहु	व		तुला	23:00:43	00:04:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	23:00:43	00:04:44	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष			मीन	15:01:51	00:03:24	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
नेप			कुंभ	10:23:40	00:01:46	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	गुरु	---
प्लूटो			धनु	17:32:08	00:00:08	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	मंगल	---
दशम भाव			मेष	27:33:45	--	कृतिका	--	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:02:45

लग्न-चलित

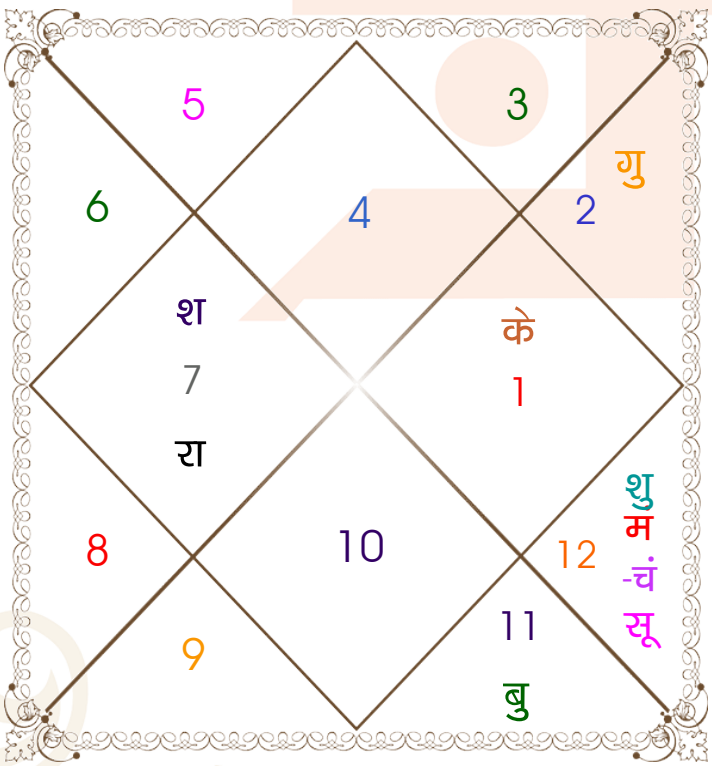

चन्द्र कुंडली

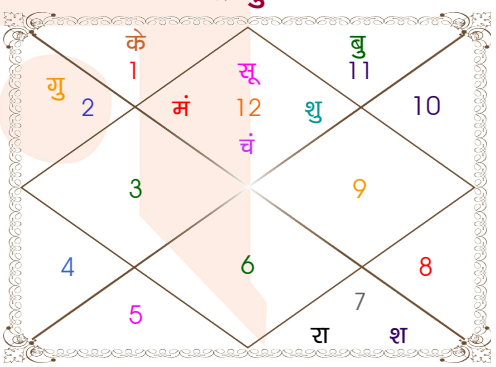

नवमांश कुंडली

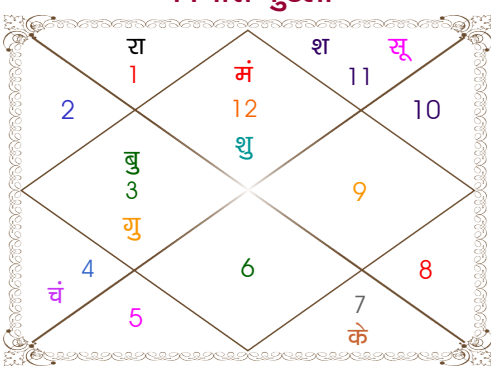

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 5 मास 20 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/04/2013		27/09/2016		28/09/2035		27/09/2052		28/09/2059	
27/09/2016		28/09/2035		27/09/2052		28/09/2059		28/09/2079	
	00/00/0000	शनि	01/10/2019	बुध	23/02/2038	केतु	23/02/2053	शुक्र	27/01/2063
	00/00/0000	बुध	10/06/2022	केतु	21/02/2039	शुक्र	25/04/2054	सूर्य	28/01/2064
	00/00/0000	केतु	20/07/2023	शुक्र	22/12/2041	सूर्य	31/08/2054	चंद्र	27/09/2065
	00/00/0000	शुक्र	18/09/2026	सूर्य	28/10/2042	चंद्र	01/04/2055	मंगल	27/11/2066
	00/00/0000	सूर्य	31/08/2027	चंद्र	28/03/2044	मंगल	28/08/2055	राहु	27/11/2069
	08/04/2013	चंद्र	01/04/2029	मंगल	26/03/2045	राहु	15/09/2056	गुरु	28/07/2072
चंद्र	29/05/2013	मंगल	11/05/2030	राहु	13/10/2047	गुरु	22/08/2057	शनि	28/09/2075
मंगल	04/05/2014	राहु	17/03/2033	गुरु	18/01/2050	शनि	01/10/2058	बुध	29/07/2078
राहु	27/09/2016	गुरु	28/09/2035	शनि	27/09/2052	बुध	28/09/2059	केतु	28/09/2079

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
28/09/2079		27/09/2085		28/09/2095		29/09/2102		28/09/2120	
27/09/2085		28/09/2095		29/09/2102		28/09/2120		00/00/0000	
सूर्य	15/01/2080	चंद्र	29/07/2086	मंगल	24/02/2096	राहु	11/06/2105	गुरु	16/11/2122
चंद्र	16/07/2080	मंगल	27/02/2087	राहु	13/03/2097	गुरु	04/11/2107	शनि	30/05/2125
मंगल	21/11/2080	राहु	28/08/2088	गुरु	17/02/2098	शनि	10/09/2110	बुध	04/09/2127
राहु	16/10/2081	गुरु	28/12/2089	शनि	29/03/2099	बुध	30/03/2113	केतु	10/08/2128
गुरु	04/08/2082	शनि	29/07/2091	बुध	26/03/2100	केतु	17/04/2114	शुक्र	11/04/2131
शनि	17/07/2083	बुध	27/12/2092	केतु	23/08/2100	शुक्र	17/04/2117	सूर्य	29/01/2132
बुध	22/05/2084	केतु	28/07/2093	शुक्र	23/10/2101	सूर्य	12/03/2118	चंद्र	09/04/2133
केतु	27/09/2084	शुक्र	29/03/2095	सूर्य	27/02/2102	चंद्र	11/09/2119		00/00/0000
शुक्र	27/09/2085	सूर्य	28/09/2095	चंद्र	29/09/2102	मंगल	28/09/2120		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 5 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म अश्लेषा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में कर्क लग्नोदय काल हुआ-लग्न के साथ-साथ मेदिनीय क्षितिज पर मीन राशि का नवमांश एवं द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म आकृति से यह निर्देश प्राप्त होता है कि आप में दो प्रकार की विशेषता विद्यमान है। प्रथम तो यह है कि आप आस्तिक विचार धारा के भगवान के प्रति समर्पित प्राणी हैं तथा भगवान से भयभीत रहते है। दूसरा यह है कि आपके मन में धार्मिक तीर्थ-स्थानों का भ्रमण, दर्शन की अभिरूचि रहती है तथा आप दानशील प्रवृति के प्राणी है। आप पूर्ण रूपेण सांसारिक विषयों के प्रति रूचिवान है। आप ऐहिक सुखों के भोग हेतु किस प्रकार धन उपार्जन किया जाए। अर्थात् चाहे जो कुछ भी हों जीवन के अन्तिम किनारे तक सुख भोग एवं आनन्द प्राप्त करें। इसके अतिरिक्त आपको मद्यपान से स्नेह हैं। आप इन दो भिन्न-भिन्न विशेषताओं को किस प्रकार समतल करेगें यह आप ही जानते है।

आप वास्तव में सामंजस्य के विद्यान के ज्ञाता है तथा सामंजस्य स्थापित करते हैं। आप कुशाग्रबुद्धि के प्रशिक्षित विद्वतापूर्ण प्रतिभा सम्पन्न हैं। आप धन प्राप्ति हेतु अनीतिपूर्ण अभिलाषा नहीं रखते।

परन्तु आपकी जन्मजात प्रवृति है कि आपके दिमाग में यह बात रहती है कि किसी भी बातों के सम्बंध में भली प्रकार ज्ञान प्राप्त करें। आप किसी के साथ छल कपट पूर्ण व्यवहार नहीं कर दूसरों के साथ विश्वसनीयता पूर्वक सहयोग एवं सहारा लेकर किसी भी वस्तु को हस्तगत करना चाहिए कि नीति अपनाते हैं।

आपको अपने जीवन में सदैव उत्तम एवं मनोहर आनन्द प्राप्ति की अभिरूचि रहती है क्योंकि कि आप स्वार्थी प्राणी है। इस दृष्टिकोण से आपको विशेषतया सतर्कता अपनाना चाहिए। कम से कम परिवार के सामने अपने व्यक्तिगत महत्वकांक्षा को सीमित रखें। आपको अपनी पति एवं सुसन्तान के प्रति आज्ञाकारी भावनाओं से युक्त समर्पित भाव से सदैव तत्पर रहने से प्रसन्नता की प्राप्ति होगी। अतः आप निश्चित रूप से परिवारिक सदस्यों के सम्बंध की सीमा का उलंघन नहीं करे। आपको घर गृहस्थी द्वारा संयमित सुख साधन प्राप्त होगा। कर्क राशीय प्रभाव से आप वास्तव में अध्ययन तथा मार्गदर्शन कर सकते है। आप अपने निर्देशित शक्ति सम्पन्नता के पथ पर चलकर दूसरों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करते हैं।

आपमें यह सामर्थ्य विद्यमान है कि आप कोई भी कार्य कुशलता पूर्वक सम्पन्न कर सकते हैं। आप अपनी तामसी प्रवृति का त्याग कर अथवा अवरूद्ध कर जन सामान्य में प्रसिद्धि प्राप्त करेगे।

आप औसतन लम्बे छरहरे बदन, चेहरा एवं पूर्ण (गाल) कपोल युक्त सुन्दर है। आप समय के महत्व को समझ कर चल सकते हैं और आप बेढंगे चाल चलन को त्याग दें बल्कि दृढ़तापूर्वक शोभनीय आचरण करें। यदि आप अधिक भोजन ग्रहण करते रहे तो आपके शरीर का अपरिमेय वृद्धि हो जाएगा तथा आप एक असामान्य दिखने लगेंगे। आपकी किशोरावस्था में स्वास्थ्य अच्छी रहेगी तथा आप अधिक समय तक मनोहर सुन्दर दिखेंगे।

आपके शरीर का समुचित विकास होगा। कर्क राशीय सिद्धान्त के प्रभाव से आपकी छाती में तथा पेट सम्बंधी रोगों (समस्याओं) के प्रति सावधानी बरतें क्योकि कुछ वर्षों के पश्चात् पाचन क्रिया विकृत होकर आपके सामने दिक्कतें पैदा कर सकती है। साथ ही आप शान्ति पूर्वक जीवन व्यतीत करने की आदत डालें क्योंकि आप एक सुन्दर (प्रसन्न) प्राणी हैं।

आप हिस्ट्रीया रोग, जॉनडिस (पीलिया रोग) एवं जलोदर रोग से प्रभावित तथा आक्रान्त हो सकते हैं। आप सतर्कता पूर्वक नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराते रहे।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आप अंक 4 एवं 6 अंक का व्यवहार हेतु (पसन्द) चुन सकते हैं। अंक 3 एवं 5 अंकों का परित्याग करें।

आपके लिए अनुकूल रंग सफेद, क्रीमकलर पीला एवं लाल रंग उत्तम है। कृपया रंग हरा एवं ब्लू रंग के वस्त्रादि धारण नहीं करें।